लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 10 February 2023

JAGRAN CITY PAGE III

'विज्ञान की प्रकृति जानने के लिए पढ़ें इसका इतिहास'

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में गुरुवार को "साइंस टेक्नोलॉजी एंड कंटेंपररी सोसाइटी" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इंडियन सोशियोलाजिकल सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. परमजीत सिंह जज ने बताया कि हमें किस तरह से विज्ञान को समझना चाहिए। विज्ञान की प्रकृति कैसी होनी चाहिए। इन सब प्रश्नों को जानने के लिए विज्ञान का इतिहास जानना आवश्यक है। उन्होंने काम्ट के विज्ञान के संस्करण की सहायता से अपनी बात को भी समझाया। बीएचयू के प्रोफेसर एके पांडे, विभागाध्यक्ष डा. डीआर साहू ने भी अपने विचार रखे। (जासं)

पोस्टर प्रतियोगिता में अंकिता, जोहा प्रथम

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग ने गुरुवार को "भारत और जी-20 : उभरता हुआ नेतृत्व" पर पोस्टर मेकिंग और कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की। पोस्टर प्रतियोगिता में अंकिता पांडे, जोहा मलिक ने पहले, प्रीतम बसाक तीसरे स्थान पर रहे। तनु शर्मा और आयुष यादव को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। कविता लेखन में ऋचा मेहरोत्रा, अदिति दीक्षित ने पहला, मानवेंद्र दास ने तीसरा पुरस्कर मिला। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, डीन आर्ट प्रो. अरविंद अवस्थी, विभागाध्यक्ष प्रो. एम. प्रियदर्शिनी उपस्थित रहीं। (जासं)

20 शिक्षिकाओं को कुलपति ने किया सम्मानित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को कुलपति प्रो. आलोक राय ने जी 20 डब्ल्यू 20 के अंतर्गत शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। मंथन हाल में जेंडर सेंसटाइजेशन सेल एवं इंस्टीट्यूट फार वीमेन स्टडीज की ओर से कार्यक्रम किया गया था। कुलपति ने प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका, प्रो. प्रेम सुमन, प्रो. मैत्रेयी, प्रो. तृप्ता, प्रो. रोली, प्रो. संगीता, प्रो. मधुरिमा, प्रो. रजना, प्रो. शैली, डा. अर्चना शुक्ल, डा. अलका मिश्र, डा. केया पांडेय, डा. किरणलता, डा. शशि, डा. प्रेरणा, डा. भुवनेश्वरी, डा. शशि बाला, डा. माद्री काकोटी एवं शशि प्रभा को सम्मानित किया। (जासं)

लवि में जेंडर एंड वाटर की गई परिचर्चा

लखनऊ: भारत की जी-20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए लवि के सेंसटाइजेशन प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन संस्थान ने गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विभिन्न रंगों के गुब्बारे छोड़े। जेंडर एंड वाटर विषय पर परिचर्चा में अंतरराष्ट्रीय सिविल सोसाइटी आर्गेनाईजेशन वाटर एड के स्टेट प्रोग्राम निदेशक फारुख रहमान खान ने अपनी बात रखी। छात्रों ने रचनात्मक पोस्टर के जरिये जी-20 डब्ल्यू-20 की थीम को सबके समक्ष प्रस्तुत किया। यहां प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रो. रोली मिश्रा, डा. प्रशांत शुक्ला, डा. माद्री ककोटी एवं महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डा. अर्चना शुक्ला उपस्थित रहीं। (जासं)

लोक भवन में 12 को राष्ट्रपति करेंगी शिक्षकों और चिकित्सकों का सम्मान

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व केजीएमयू के डाक्टर चयनित

जासं, लखनऊ : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु लोक भवन के सभागार में 12 फरवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय एवं राजकीय व एडेड इंटर कालेज के 30 शिक्षकों को सम्मानित करेंगी। इनमें 21 शिक्षक लखनऊ विश्वविद्यालय और नौ शिक्षक राजकीय व एडेड इंटर कालेजों के शामिल हैं। यह सम्मान नागरिक अभिनंदन समारोह में दिया जाएगा। इसमें रंगमंच के कलाकार, साहित्यकार, लेखक, चिकित्सक, खिलाड़ी, शिल्पकार, उद्यमी, काश्तकार एवं दिव्यांगजन आदि विभागों के 30-30 अधिकारियों, कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए अपर नगर मजिस्ट्रेट-द्वितीय लखनऊ गोविंद मौर्य ने निर्देश जारी किए हैं।

लवि के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए राष्ट्रपति नागरिक अभिनंदन समारोह में चयनित लोगों को सम्मानित करेंगी। यह आयोजन लोक भवन में 12 फरवरी को शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक होगा। इनमें लवि के 21 शिक्षक भी शामिल हैं।

ये शिक्षक चुने गए : वीएन खरे-सेवानिवृत्त उप प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज निशातगंज, हरि नारायण मिश्र-सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एमडी शुक्ला इंटर कालेज, आरपी मिश्रा-सेवानिवृत्त उप प्रधानाचार्य राजकीय जुबली इंटर कालेज, बीना चौहान-प्रधानाचार्या राजकीय छोटी जुबली इंटर कालेज, एसडी यादव-सेवानिवृत्त उप प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज हुसैनाबाद, आरडी राम-सेवानिवृत्त शिक्षक, राजकीय इंटर कालेज निशातगंज, वंदना तिवारी-प्रवक्ता राजकीय बालिका इंटर कालेज सरोसा-भरोसा, केके शुक्ला-प्रधानाचार्य-बीकेटी इंटर कालेज, राजेश तोमर-सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बीकेटी इंटर कालेज।

लखनऊ विश्वविद्यालय के ये प्रोफेसर होंगे सम्मानित

डा. आरके माहेश्वरी, डा. रचना मूजू, डा. मुशीर हुसैन सिद्दीकी, डा.आरके मिश्रा, डा.समीर शर्मा, डा. सिद्धार्थ कुमार मिश्रा, प्रोफेसर डा. सुधीर मेहरोत्रा, डा. अलका कुमारी, प्रोफेसर डा.अमृतेश चंद्र शुक्ला, डा. गौरी सक्सेना, डा.मो. इजराइल अंसारी, डा. मुन्ना सिंह, प्रो. डा. नलिनी पांडेय, डा.पूर्णिमा वाजपेई, डा.राजेश कुमार तिवारी, डा.रत्ना कटियार, डा. शालिनी श्रीवास्तव, डा. श्याम नारायण पांडेय, डा. संगीता साहू, डा. आभा विश्नोई, डा. अभिनव कुमार।

केजीएमयू के 30 चिकित्सकों का होगा सम्मान

केजीएमयू के 30 डाक्टरों को उनके बेहतरीन काम करने के लिए राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी। कुलपति डा. बिपिन पुरी ने बताया कि 12 को लोकभवन में एनस्थीसिया विभाग के अध्यक्ष डा. जीपी सिंह, एनाटमी विभाग की डा. पुनीता मानिक, प्लास्टिक सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डा. विजय कुमार, कम्युनिटी मेडिसिन की अध्यक्ष डा. मोनिका अग्रवाल, बायोकेमेस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डा. अब्बास अली मेहदी, कार्डियोलाजी विभाग के अध्यक्ष डा. एसके द्विवेदी, हिमैटोलाजी विभाग के अध्यक्ष डा. एके त्रिपाठी, गेस्ट्रो सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डा. अभिजीत चन्द्रा, डा. सुमित रुगंटा, डा. अनिल निश्चल, नेफ्रोलाजी विभाग के अध्यक्ष डा. विश्वजीत सिंह, डा. अमिता जैन, डा. आरके गर्ग, डा. बीके ओझा, डा. एसएन शंखवार, डा. विनीत शर्मा, डा. अविनाश अग्रवाल, डा. अनुपम मिश्रा, डा. हैदर अब्बास, डा. आनन्द मिश्रा, डा. अनूप वर्मा, डा. श्रीकांत श्रीवास्तव, डा. एपी टिक्कू, डा. एस मोहम्मद, डा. संदीप तिवारी, डा. आशीष कुमार, डा. नितिन दत्त भारद्वाज, डा. वीरेंद्र आतम, डा. एसपी जैसवार के साथ ही डा. अपजीत कौर को सम्मानित किया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 6

अर्थशास्त्री बोले, बढ़ेंगे रोजगार मजबूत होगी अर्थव्यवस्था

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट राज्य के लिए अपार संभावनाएं लेकर आएगा। अर्थव्यवस्था को यह समिट मजबूती तो देगी ही साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। वित्त विशेषज्ञों का तो कमोबेश यही मानना है। पेश है अर्थशास्त्रियों की राय।

व्यापार के लिए सकारात्मक रुख

02 फीसदी है यूपी में बेरोजगारी दर अभी | 18 फीसदी थी यूपी में वर्ष 2016 में यह दर

एमके अग्रवाल, एलयू के अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख

उत्तर प्रदेश अब पुराना उत्तर प्रदेश नहीं रहा। भारत और विदेशों में आर्थिक क्षेत्रों में संभावनाओं की बात आती है तो उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों की धारणा बदल गई है। खासतौर पर निवेशक, जो पहले उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर कई बार सोचते थे, वो अब प्रदेश की योगी सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों और निवेश के प्रति उचित माहौल को मद्देनजर यहां व्यापार करने, व्यापार की शुरुआत करने और इसके विस्तार के प्रति सकारात्मक रुख दिखा रहे हैं। उनका कहना है कि योगी आदित्यनाथ के रूप में उत्तर प्रदेश के मौजूदा नेतृत्व ने पांच साल पहले ही समझ लिया था कि यदि उत्तर प्रदेश को भारत में और भारत के अन्य राज्यों के बीच अपने पिछड़ेपन से बाहर आना है, तो इस सबसे अधिक आबादी वाले राज्य को त्वरित गति से ज्यादा मेहनत करनी होगी और पहले की तुलना में अतिरिक्त प्रयास करना होगा। तभी ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था साकार हो सकेगी।

i-NEXT PAGE 2

जेंडर सेंसटाइजेशन पर हुआ प्रोग्राम

LUCKNOW : एलयू में गुरुवार को जी20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए सेंसटाइजेशन प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन संस्थान ने स्पेशल प्रोग्राम किया. कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शामिल हुए. इस दौरान संयोजिका प्रो. रोली मिश्रा समेत डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. माद्री ककोटी मौजूद रही. एक्सपर्ट ने सभी छात्रों को महिला सुरक्षा और शिक्षा पर चर्चा की.

महिला सदस्यों का हुआ सम्मान

LUCKNOW : एलयू में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि शैक्षणिक परिवार की महिला सदस्यों को जी 20 के तहत सम्मानित किया. इनमें प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. प्रेम सुमन शर्मा, प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. रोली मिश्रा, प्रो. संगीता साहू, प्रो मधुरिमा प्रधान समेत कई प्रोफेसरों को सम्मानित किया.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

जीआईएस में दिखेगा 900 साल पुराना शैव दर्शन

लविवि के अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉसफी पर बन रही फिल्म होगी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का हिस्सा

सुधांशु सक्सेना

लखनऊ। लखनऊ विवि का अभिनव गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ एस्थेटिक्स एंड शैव फिलॉसफी शुक्रवार से शुरू हो रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का हिस्सा बनेगा। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग एक फिल्म भी तैयार करवा रहा है। इस फिल्म में अभिनव गुप्त संस्थान की उपलब्धियों और कामकाज का जिक्र होगा। इस फिल्म को 12 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के सेक्टोरल सेशन में दिखाया जाएगा।

लविवि के अभिनव गुप्त संस्थान की कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि 10वीं-11वीं शताब्दी में कश्मीर में पैदा हुए अभिनव गुप्त को तंत्र, दर्शन और स्वतन्त्र कलाशास्त्र की दृष्टि से बहुत ऊंचा स्थान हासिल है। तत्कालीन तन्त्राचार्यों ने कश्मीर में महासम्मेलन करके उन्हें महामाहेश्वर घोषित किया था। विभिन्न ऐतिहासिक और राजनीतिक कारणों से बाद के करीब 900 सालों में उनका योगदान गुम हो गया था। 20वीं सदी में लखनऊ विवि के कान्ति चंद्र पाण्डेय अपने शोध कार्य के माध्यम से अभिनव गुप्त को दुनिया के शैक्षणिक जगत के सामने लाए। इस समय पूरी दुनिया में अभिनव गुप्त के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा बढ़ रही है। विदेशों में इस पर शोध चल रहा है। (संवाद)

तंत्र, दर्शन और स्वतंत्र कलाशास्त्र के क्षेत्र में संस्थान का विशेष महत्व

लविवि का अभिनव गुप्त संस्थान।

कोविड में बढ़ा महत्व, यूएसए व न्यूजीलैंड से आ रहे विद्यार्थी

डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज

कोआर्डिनेटर डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि कट्टरता और मतभेदों से भरी दुनिया में अभिनव गुप्त का समावेशी दर्शन बहुत प्रासंगिक है। वेदान्त के अहं ब्रह्मास्मि से लेकर सूफियों के अनल हक तक सभी विचारों की व्याख्या अभिनव गुप्त के दर्शन से संभव है। प्रधानमंत्री मोदी के जी-20 मन्त्र - एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य (वन वर्ल्ड, वन फैमिली, वन फ्यूचर) के लिए भी यह बहुत अनुकूल है। अभिनव गुप्त की बताई गई साधना पद्धति और विचार, भारत की आर्थिक समृद्धि और विश्वगुरु अभियान के लिए भी बहुत मुफीद है। कोविड से भी अभिनव गुप्त की साधना पद्धति का क्रेज बढ़ा है। यूएसए व न्यूजीलैंड से विद्यार्थी कश्मीर शैव तंत्रागम विधा के अध्ययन के लिए लखनऊ आते हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिहाज से भी अहम

डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि हाल ही में दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम वार्षिक सम्मेलन में दुनिया की मेंटल हेल्थ इंडस्ट्री पर चर्चा हुई। वैश्विक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य, हैपिनेस एंड वेलनेस इंडस्ट्री कई ट्रिलियन डॉलर की है और भारत अपने प्राचीन ज्ञान का उपयोग कर इसमें बड़ी हिस्सेदारी प्राप्त कर नेतृत्व कर सकता है। इस लिहाज से अभिनव गुप्त की तन्त्रागमीय साधना पद्धतियों और आनन्द योग की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

विज्ञान को समझने के लिए इतिहास जानें

लखनऊ। लविवि के समाजशास्त्र विभाग में बृहस्पतिवार को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता प्रो. परमजीत सिंह ने कहा कि विज्ञान को समझने के लिए हमें उसका इतिहास समझना होगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान के तार्किक और धार्मिक दोनों पहलू होते हैं। प्रो. एके पांडेय ने विज्ञान के विकास की क्रमबद्ध व्याख्या की। प्रो. राजेश मिश्रा ने राबर्ट के मटर्न, कार्ल मार्क्स व कार्ल पॉपर के सिद्धांतों को साझा करते हुए विज्ञान का विस्तारित रूप समझाया। (संवाद)

NBT PAGE 5

एलयू में शिक्षिकाओं को मिला सम्मान

एनबीटी सं, लखनऊ : लखनऊ यूनिवर्सिटी के जेंडर सेंसटाइजेशन सेल एवं इंस्टिट्यूट फॉर वीमन स्टडीज की ओर से विवि परिसर में हुए कार्यक्रम में गुरुवार को 20 शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. प्रेम सुमन शर्मा, प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. रोली मिश्र, प्रो. संगीता साहू, प्रो. मधुरिमा प्रधान, प्रो. रजना मुज्जू समेत अन्य शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में इससे पहले वॉटर ऐड के स्टेट प्रोग्राम निदेशक फारुख रहमान खान ने जेंडर एंड वॉटर विषय पर महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। इस मौके पर डॉ. प्रशांत शुक्ल, डॉ. माद्री ककोटी, डॉ. अर्चना शुक्ला, प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी भी मौजूद रहे।

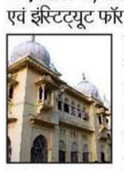

VoL PAGE 6

लविवि में जी 20 की अध्यक्षता मिलने का मनाया गया जश्न

कुलपति ने 20 गुब्बारे छोड़कर की शुरुआत

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। भारत की जी-20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के सेंसटाइजेशन प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन संस्थान ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन गुरूवार को किया। कार्यक्रम की शुरूवात में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विभिन्न रंगों के गुब्बारे छोड़कर जी 20 में भारत के वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को 20 गुब्बारों जो जी 20 समूह के 19 देश तथा एक यूरोपियन यूनियन समूह के प्रतीक स्वरूप हैं, द्वारा प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर जेंडर सेंसटाइजेशन सेल की संयोजिका प्रो. रोली मिश्रा, सदस्य डॉ प्रशांत शुक्ल, डॉ माद्री ककोटी एवं महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डॉ अर्चना शुक्ला उपस्थित रहीं। साथ में डीन छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी तथा अन्य विश्वविद्यालय के सदस्य भी मौजूद रहें। जेंडर एंड वॉटर विषय पर हुई परिचर्चा में अंतरराष्ट्रीय सिविल सोसाइटी आर्गेनाईजेशन वाटर ऐड के स्टेट प्रोग्राम निदेशक फारुख रहमान खान ने मुख्य वक्ता रूप में रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री खान ने उपस्थित छात्रों के साथ साझा किया कि किस तरह समाज में ज्यादातर पानी से संबंधित दायित्व परिवार की महिलाओं पर होता है और इस असमान दायित्व से किस तरह महिलाओं के समय, सुरक्षा और कई क्षेत्रों में शिक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने समस्या के साथ-साथ समुदाय केंद्रित उपाय ढूंढने पर भी बल दिया। विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्र मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने अपनी रचनात्मक पोस्टर के जरिए जी 20 डब्ल्यू 20 के थीम को सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

PIONEER PAGE 3

बीस गुब्बारे छोड़कर जी-20 समूह को किया प्रदर्शित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत की जी 20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के उद्देश्य से गुरुवार को लखनऊ विवि के सेंसटाइजेशन प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन संस्थान ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। शुरुआत में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने विभिन्न रंगों के गुब्बारे छोड़कर भारत के वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को 20 गुब्बारों जो जी 20 समूह के 19 देश तथा एक यूरोपियन यूनियन समूह के प्रतीक स्वरूप हैं, द्वारा प्रदर्शित किया। जेंडर सेंसटाइजेशन सेल की संयोजिका प्रो रोली मिश्रा, सदस्य डॉ प्रशांत शुक्ल, डॉ माद्री ककोटी एवं महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डॉ अर्चना शुक्ला उपस्थित रहीं।

साथ में डीन छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो अरविंद अवस्थी, प्रॉक्टर प्रो राकेश द्विवेदी तथा अन्य विश्वविद्यालय के सदस्य भी मौजूद रहें। जेंडर एंड वॉटर विषय पर हुई परिचर्चा में अंतरराष्ट्रीय सिविल सोसाइटी आर्गेनाईजेशन वाटर ऐड के स्टेट प्रोग्राम निदेशक फारुख रहमान खान ने मुख्य वक्ता रूप में रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। खान ने उपस्थित छात्रों के साथ यह साझा किया कि किस तरह समाज में ज्यादातर पानी से संबंधित दायित्व परिवार की महिलाओं पर होता है और इस असमान दायित्व से किस तरह महिलाओं के समय, सुरक्षा एवं कई क्षेत्रों में शिक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने समस्या के साथ.साथ समुदाय केंद्रित उपाय ढूंढने पर भी बल दिया। इस दौरान उन्होंने अपनी रचनात्मक पोस्टर के जरिए जी 20 के थीम को सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

जी-20 के उपलक्ष्य में एलयू में 20 महिला शिक्षिकाएं सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने जी-20 के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिवार के 20 महिला सदस्यों को सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों व अधिकारियों में प्रो पूनम टंडन, प्रो मनुका खन्ना, प्रो प्रेम सुमन शर्मा, प्रो मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, प्रो तृप्ता त्रिवेदी, प्रो रोली मिश्र, प्रो संगीता साहू, प्रो मधुरिमा प्रधान, प्रो रजना मुज्जू, प्रो शैली मलिक, डॉ अर्चना शुक्ल, डॉ अलका मिश्र, डॉ केया पाण्डेय, डॉ किरणलता डंगवाल, डॉ शशि कनौजिया, डॉ प्रेरणा माथुर, डॉ भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ शशि बाला, डॉ माद्री काकोटी एवं शशि प्रभा शामिल थी। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसटाइजेशन सेल एवं इंस्टीट्यूट फॉर विमेन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

AMRIT VICHAR PAGE 4

वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ मना जश्न

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भारत की जी-20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए सेंसटाइजेशन प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन संस्थान ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विभिन्न रंगों के 20 गुब्बारे छोड़कर जी-20 में भारत के वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ जश्न मनाया। इस अवसर पर जेंडर सेंसटाइजेशन सेल की संयोजिका प्रो. रोली मिश्रा, सदस्य डॉ. प्रशांत शुक्ल, डॉ. माद्री ककोटी एवं महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डॉ. अर्चना शुक्ला उपस्थित रहीं।

जेंडर सेंसटाइजेशन सेल मेंआयोजित इस जश्न के साथ "जेंडर एंड वॉटर" विषय पर हुई परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सिविल सोसाइटी आर्गेनाईजेशन वाटर ऐड के स्टेट प्रोग्राम निदेशक फारुख रहमान खान ने मुख्य वक्ता रूप में रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। खान ने उपस्थित छात्रों के साथ यह साझा किया कि किस तरह समाज में ज्यादातर पानी से संबंधित दायित्व परिवार की महिलाओं पर होता है और इस असमान दायित्व से किस तरह महिलाओं के समय, सुरक्षा एवं कई क्षेत्रों में शिक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है।

विश्वविद्यालय में महिला शिक्षक सम्मानित

लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिवार के विभिन्न महिला सदस्यों को जी-20, डब्ल्यू-20 के अंतर्गत सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसटाइजेशन सेल एवं इंस्टीट्यूट फॉर विमेन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षकों व अधिकारियों में प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. प्रेम सुमन शर्मा, प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. रोली मिश्र, प्रो. संगीता साहू, प्रो. मधुरिमा प्रधान, प्रो. रजना मुज्जू, प्रो. शैली मलिक, डॉ. अर्चना शुक्ल, डॉ. अलका मिश्र, डॉ. केया पाण्डेय, डॉ. किरणलता डंगवाल, डॉ. शशि कनौजिया, डॉ. प्रेरणा माथुर, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ. शशि बाला, डॉ. माद्री काकोटी एवं शशि प्रभा शामिल थीं।

जश्न मनाते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य। अमृत विचार

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

कुलपति ने किया महिला सदस्यों को सम्मानित

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिवार के विभिन्न महिला सदस्यों को जी 20 डब्लू 20 के अंतर्गत सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों व अधिकारियों में प्रो पूनम टंडन, प्रो मनुका खन्ना, प्रो प्रेम सुमन शर्मा, प्रो मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, प्रो तृप्ता त्रिवेदी, प्रो रोली मिश्र, प्रो संगीता साहू, प्रो मधुरिमा प्रधान, प्रो रजना मुज्जू, प्रो शैली मलिक, डॉ अर्चना शुक्ल, डॉ अलका मिश्र, डॉ केया पाण्डेय, डॉ किरणलता डंगवाल, डॉ शशि कनौजिया, डॉ प्रेरणा माथुर, डॉ भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ शशि बाला, डॉ माद्री काकोटी एवं शशि प्रभा शामिल थी। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसटाइजेशन सेल एवं इंस्टीट्यूट फॉर विमेन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। भारत की जी 20अध्यक्षता के कार्यकाल में लिए गए प्रणों में लैंगिक समानता की ओर कार्य करना जी 20 कंसोर्टियम का एक प्रमुख प्रण हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने जी 20 अध्यक्षता की घोषणा के समय से ही विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय की स्त्री शक्ति का सम्मान कार्यक्रम सफल और प्रशंसनीय रहा।

गुब्बारे छोड़कर मनाया जी 20 अध्यक्षता का जश्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ की जी - 20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए सेंसटाइजेशन प्रकोष्ठ और महिला अध्ययन संस्थान ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने विभिन्न रंगों के गुब्बारे छोड़कर जी 20 में भारत के वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को 20 गुब्बारों को जी 20 समूह के 19 देश तथा एक यूरोपियन यूनियन समूह के प्रतीक स्वरूप हैं, द्वारा प्रदर्शित किया। इस अवसर पर जेंडर सेंसटाइजेशन सेल की संयोजिका प्रो रोली मिश्रा, सदस्य

डॉ प्रशांत शुक्ल, डॉ माद्री ककोटी एवं महिला अध्ययन संस्थान की संयोजिका डॉ अर्चना शुक्ला उपस्थित रहीं। साथ में डीन छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रोफ अरविंद अवस्थी, प्रॉक्टर प्रो राकेश द्विवेदी तथा अन्य विश्विद्यालय के सदस्य भी मौजूद रहें। जेंडर एंड वॉटर विषय पर हुई परिचर्चा में अंतरराष्ट्रीय सिविल सोसाइटी आर्गेनाईजेशन वाटर ऐड के स्टेट प्रोग्राम निदेशक फारुख रहमान खान ने मुख्य वक्ता रूप में रोचक व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री खान ने उपस्थित छात्रों के साथ यह साझा किया कि किस तरह समाज में ज्यादातर पानी से संबंधित दायित्व परिवार की महिलाओं पर होता है और इस असमान दायित्व से किस तरह महिलाओं के समय, सुरक्षा एवं कई क्षेत्रों में शिक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने समस्या के साथ-साथ समुदाय केंद्रित उपाय ढूंढने पर भी बल दिया। विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्र मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने अपनी रचनात्मक पोस्टर के जरिए जी 20 डब्लू 20 के थीम को सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

VoL PAGE 6

लविवि ने महिला शिक्षकों को किया सम्मानित

लखनऊ। लविवि में गुरूवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिवार के विभिन्न महिला सदस्यों को जी20 डब्ल्यू20 के तहत सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों व अधिकारियों में प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. प्रेम सुमन शर्मा, प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शिनी, प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. रोली मिश्र, प्रो. संगीता साहू, प्रो. मधुरिमा प्रधान, प्रो. रजना मुज्जू, प्रो. शैली मलिक, डॉ. अर्चना शुक्ल, डॉ. अलका मिश्र, डॉ. केया पाण्डेय, डॉ. किरणलता डंगवाल, डॉ. शशि कनौजिया, डॉ. प्रेरणा माथुर, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज, डॉ. शशि बाला, डॉ. माद्री काकोटी और शशि प्रभा शामिल थी। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसटाइजेशन सेल एवं इंस्टीट्यूट फॉर विमेन स्टडीज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। भारत की जी-20 अध्यक्षता के कार्यकाल में लिये गये प्रणों में लैंगिक समानता की ओर कार्य करना जी-20 कंसोर्टियम का एक प्रमुख प्रण हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने जी-20 अध्यक्षता की घोषणा के समय से ही विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसी शृंखला में विश्वविद्यालय की स्त्री शक्ति का सम्मान कार्यक्रम सफल और प्रशंसनीय रहा।